www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 अंक – 12 जौनपुर, मंगलवार, 25 अगस्त 2026 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रूपये

इस डिजिटल पेमेंट क्रांति पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए - पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के मंगलवार को 10 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्र की इस डिजिटल क्रांति पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए उन्होंने कहा कि यूपीआई सिस्टम का शुरू होना भारत के डिजिटल पेमेंट इतिहास का सबसे बड़ा निर्णायक क्षण रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा,एक दशक पहले यूपीआई की शुरुआत हुई थी और यह भारत की डिजिटल पेमेंट यात्रा में अब तक का सबसे निर्णायक फैसला साबित हुआ है। यूपीआई के व्यापक पैमाने और पहुंच पर हर भारतीय

को गर्व होना चाहिए।" उन्होंने देशवासियों से यह भी कहा कि वे यूपीआई के साथ अपने अनुभव साझा करें और बताएं कि इसके आने से उनके जीवन पर क्या असर पड़ा है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, यूपीआई पर वार्षिक लेनदेन की संख्या बीते एक दशक में 13,000 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2025–26 में 24,162 करोड़ हो गई है, जबकि वित्त वर्ष 2016–17 में इनकी संख्या 1.78 करोड़ थी। यूपीआई लेनदेन की कुल वैल्यू वित्त वर्ष 2025–26 में बढ़कर 314 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2016–17 में 0.07 लाख करोड़ रुपए थी। यह बीते एक दशक में करीब 4,000 गुना की बढ़ोतरी दिखाता है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से 25 अगस्त, 2016 को यूपीआई को लॉन्च किया था। आज के समय में यह देश के डिजिटल भुगतान प्रणाली की रीढ़ बन गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई के बड़े पैमाने, भरोसे और इंटरऑपरेबिलिटी को दुनिया भर में पहचान मिली है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने इसे ट्रांजैक्शन वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा रियल–टाइम पेमेंट सिस्टम माना है।

विद्यार्थियों की समस्याओं का 30 दिनों में होगा समाधान, हर माह लगेगा 'विद्यार्थी सहयोग शिविर'– सम्राट चौधरी

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बिदुपुर में 'सात निश्चय–3' के तहत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के अंतर्गत 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों का प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। सरकार ने शिकायतों का अधिकतम 30 दिनों में अंतिम निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' के माध्यम से छात्र–छात्राओं को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को शिकायतों के समाधान के लिए अनावश्यक रूप

से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें और निर्धारित समय–सीमा में उनकी समस्याओं का समाधान हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को बिहार के शिक्षण संस्थानों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' आयोजित किया जाएगा। इसमें शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा, छात्रावास, पेयजल, शौचालय, कैंटीन सहित विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य समस्याओं और सुविधाओं से संबंधित शिकायतों एवं सुझावों की सुनवाई होगी।

संक्षिप्त खबरें

यूपी में सत्ता परिवर्तन तय, सपा की सरकार बनने जा रही – विधायक रविदास मेहरोत्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने दावा किया है कि 2027 में प्रदेश की जनता सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है और विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। ज्योग्राफिक मैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना उन्होंने कहा कि गैर–भाजपा वोटों के बंटवारे को रोकने के लिए समाजवादी पार्टी अन्य विपक्षी दलों के साथ तालमेल की संभावनाओं पर बातचीत कर रही है। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी (आप) से भी बातचीत चल रही है और गठबंधन से जुड़े अंतिम फैसले का अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के पास है। म्ततवत सवंकपदह ंके. रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा अकेले भी सरकार बनाने में सक्षम है। हालांकि, चुनाव में गैर–भाजपा मतों का विभाजन रोकने के लिए पार्टी सहयोगी दलों से तालमेल की कोशिश कर रही है। 2027 का चुनाव इंडिया गठबंधन मिलकर लड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अभी सीटों का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है और इस संबंध में निर्णय पार्टी नेतृत्व करेगा। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के लिए हर पोलिंग बूथ पर कमेटियां गठित कर ली हैं। पार्टी जमीनी स्तर पर लगातार सक्रिय है और भाजपा सरकार के खिलाफ विभिन्न मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रही है। पीडीए समाज को जब तक उसका हक, अधिकार, न्याय और सम्मान नहीं मिलता, तब तक पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा। अयोध्या में कथित मछली भोज को लेकर चल रहे।

भारतीय कंपनियां करेंगी पारंपरिक मिसाइलों का उत्पादन, रक्षा मंत्री ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इससे देश में इन मिसाइल प्रणालियों का स्वदेशी उत्पादन किया जा सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना और देश के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में घरेलू उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना है। तकनीक हस्तांतरण के बाद पात्र भारतीय कंपनियां पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की डीआरडीओ–विकसित तकनीकों का देश में उत्पादन कर सकेंगी। इसके लिए संबंधित योग्यताओं, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह पहल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने और रक्षा विनिर्माण में भारतीय उद्योगों की

भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को और मजबूती मिलेगी। यह पहल मिसाइल प्रणालियों के विकास से औद्योगिक स्तर पर उत्पादन की ओर सफलतापूर्वक बदलाव को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास और निर्माण में भारतीय उद्योग की क्षमताओं का प्रभावी इस्तेमाल करना है।

पीयूष गोयल ने जापानी संस्थानों से भारत में दीर्घकालिक निवेश बढ़ाने का किया आह्वान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को जापान के प्रमुख वित्तीय एवं निवेश संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर भारत में दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह और निवेश साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने जापानी संस्थागत निवेश बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत ऐसी दीर्घकालिक साझेदारियां चाहता है, जो पूंजी के साथ प्रौद्योगिकी, नवाचार, विनिर्माण क्षमता, रोजगार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर एकीकरण लेकर आएं। बैठक में मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप (एमयूएफजी), डेवलपमेंट बैंक ऑफ जापान (डीबीजे), मिजुहो, मॉर्गन स्टेनली, नोमुरा और निप्पॉन लाइफ के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान भारत की आर्थिक

संभावनाओं, उभरते निवेश अवसरों और जापानी संस्थागत निवेश को सुगम बनाने के उपायों पर विचारों का आदान–प्रदान हुआ। गोयल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती रेखांकित करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पिछले साल 7.7ः बढ़ी। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में काम कर रहा है। मंत्री ने भारत के मजबूत बैंकिंग क्षेत्र, पर्याप्त पूंजी और गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों के कम स्तर का उल्लेख किया। उन्होंने देश में बढ़ते मध्यम वर्ग और बढ़ती खर्च योग्य आय को भी निवेश के लिए महत्वपूर्ण आधार बताया। गोयल ने कहा कि सेमीकंडक्टर, कृत्रिम मेधा (एआई), डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में जापानी कंपनियों के लिए बड़े अवसर मौजूद हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, जापानी वित्तीय संस्थानों ने भारत के साथ अपनी बढ़ती भागीदारी और देश की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं में भरोसा जताया।

एक क्लिक पर मिलेगी डाक सेवा, तकनीक के साथ जनसेवा के नए युग में प्रवेश कर रहा भारतीय डाक - ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'डाक मित्र' और श्डाक सेवा' ऐप और 14 नवीनीकरण किए गए डाकघरों के शुभारंभ के अवसर पर डाक विभाग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्ध्होंने कहा कध् डाक सेवा एक क्लिक पर मिलेगी। भारतीय डाक तकनीक के साथ जनसेवा के नए युग में प्रवेश कर रहा है। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारतीय डाक देश की पुरानी और सबसे विश्वसनीय संस्थाओं में से एक है, जो अब बदलते समय के साथ तकनीक और नवाचार को अपनाते हुए 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को नए स्वरूप में

ढाल रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि आज का दिन भारतीय डाक के लिए केवल कुछ नई पहलों के शुभारंभ का दिन नहीं, बल्कि देश की सबसे विश्वसनीय संस्थाओं में से एक की विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने का अवसर है। इन पहलों का उद्देश्य भारतीय डाक को सरल, तेज, सुलभ और नागरिक–केंद्रित बनाना है। उन्होंने कहा, "आज नागरिक की अपेक्षा केवल यह नहीं है कि सरकारी सेवा उपलब्ध हो, वह चाहता है कि सेवा उसके मोबाइल पर उपलब्ध हो, उसकी उंगली के एक स्पर्श पर उपलब्ध हो और वह भी तेज, सरल एवं पारदर्शी तरीके से हो। इस कड़ी में विभाग की पहल महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी केवल पुरानी प्रक्रिया को डिजिटल बनाना नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया को नागरिक के इर्द–गिर्द पुनः डिजाइन करना है। 'डाक मित्र' ऐप को डाक सेवकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए विकसित किया गया है।

पुणे में 10 दिन से भूख हड़ताल पर आदिवासी छात्र, राहुल गांधी ने फडणवीस को लिखा पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर सरकारी आदिवासी छात्रावासों में रहने वाले छात्रों की मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र के अलग–अलग हिस्सों के आदिवासी छात्र पिछले 10 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। राहुल गांधी ने पत्र में कहा कि पुणे में छात्रों ने उन्हें उन नियमों के बारे में बताया, जिनसे उनकी गरिमा प्रभावित हो रही है और शिक्षा का रास्ता भी बाधित हो रहा है। उन्होंने फडणवीस से प्रदर्शन कर रहे आदिवासी छात्रों के प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनने और तत्काल समाधान करने का अनुरोध किया। कांग्रेस सांसद ने सीएम फडणवीस को संबोधित करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्शमहाराष्ट्र के अनेक आदिवासी छात्र 10 दिनों से अधिक से अपने अधिकारों के लिए भूख हड़ताल पर हैं। पुणे में श्छात्रों की गूंजश के दौरान छात्राओं ने

बताया कि छात्रावासों में 30 वर्ष की अनावश्यक उम्र सीमा, अपमानजनक नियम, असुरक्षित सुविधाएं और महिलाओं के लिए गर्भावस्था जांच जैसे अमानवीय प्रावधान लागू हैं। उन्होंने कहा, श्शसुदूर गांवों–कस्बों से आने वाले ये छात्र कोई दान नहीं, अपना अधिकार मांग रहे हैं। अपेक्षा है कि आप उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करेंगे।

परंदूर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट रद्द करने से तमिलनाडु के विकास को लगेगा झटका- एमके स्टालिन

चेन्नई, (एजेंसी)। डीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को टीवीके सरकार द्वारा प्रस्तावित परंदूर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को रद्द करने के फैसले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से तमिलनाडु के विकास को बड़ा झटका लगेगा और निवेशकों की पसंदीदा मंजिल के रूप में राज्य की स्थिति कमजोर हो सकती है। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय द्वारा विधानसभा में परियोजना को छोड़ने की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि यह फैसला छोटी राजनीतिक सोच से

प्रेरित है और इसके कारण तमिलनाडु के दीर्घकालिक हितों की अनदेखी की गई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि यह केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं बल्कि राज्य के लिए एक बड़ी निराशा है। राजनीति म्ततवत सवंकपदह ंके. स्टालिन ने विधानसभा के नियम 110 के तहत की गई घोषणा पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत तत्काल चर्चा की अनुमति नहीं होती, जबकि इतने महत्वपूर्ण विषय पर फैसला लेने से पहले विधायकों को चर्चा का अवसर दिया जाना चाहिए था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात, ऑटोमोबाइल निर्माण और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में अग्रणी बने तमिलनाडु को एक विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की आवश्यकता है। उनके अनुसार, उद्योग, निवेश, निर्यात और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए चेन्नई में आधुनिक और विस्तारित विमानन बुनियादी ढांचे का होना जरूरी है। स्टालिन ने दावा किया कि परंदूर को सभी संभावित वैकल्पिक स्थानों की विस्तृत जांच के बाद चुना गया था। उन्होंने कहा कि परियोजना से जुड़े कई नियामकीय अनुमोदन प्राप्त किए जा चुके थे ।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों मे अवैध रूप से संचालित सौ से अधिक कोचिंग संस्थानों पर शीघ्र ही शिक्षा विभाग चलायेगा चेकिंग अभियान डीआईओएस

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में सिर्फ एक दर्जन वैध कोचिंग संस्थान ही पंजीकृत है।जबकि जिले के सभी जगहों पर सैकड़ो कोचिंग संस्थान अवैध रूप से संचालित है।इनमें से कई अवैध रूप से संचालित पाए जाने वाले कोचिंग संस्थानों पर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जुर्माना भी लगाया गया लेकिन अभी तक अधिकतर कोचिंग संचालक जो की अवैध रूप से हैं।उन्होंने जुर्माने की रकम कार्यालय में नहीं जमा किया है।जिसके लिए इन पर अंकुश लगाने के लिए अब शासन सख्त कदम उठा रही है। यह बातें

डीआईओएस डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने बताई।अब अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों पर अंकुश लगाने के लिए जिला अधिकारी की अध्यक्षता में समित का गठन किया गया है।इस समिति में जिला अधिकारी भी है।वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी इस समिति के सचिव है।राष्ट्रीय टास्क फोर्स हेतु नोडल अधिकारी सदस्य के रूप में नामित किए गए हैं जो अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों पर अंकुश लगायेगे।बताते चलें जिले शहर के विभिन्न मुहल्लों, कालोनियो के अलावा विभिन्न तहसीलों ब्लॉकों पर अवैध रूप से संचालित कोचिंग व शिक्षा संस्थानों द्वारा भोले भाले छात्रों तथा उनके अभिभावकों से शिक्षक के नाम पर भारी भरकम रकम वसूली जा रही है जबकि सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जा रहा है। बताते चलें शहर के नियांवा,रिकाबगंज,साहबगंज, हैदरगंज, वजीरगंज, देवकाली, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा,नाका,सिविल लाइन शाहिद प्रमुख चौराहों पर काफी संख्या में अवैध रूप से कोचिंग संस्थान संचालित हैं।वहीं ग्रामीण अंचलों में बीकापुर, तारुन, जाना बाजार हैदरगंज रामपुर बागान मिल्कीपुर गोसाईगंज रुदौली सहित अधिकतर चौराहों व बाजारों में अवैध रूप से कोचिंग संस्थान संचालित है जहां पर शिक्षक के नाम पर दिखावा कर भोले भाले छात्रों व उनके परिजनों से भारी भरकम पैसे वसूल रहे हैं।परंतु इस पर संबंधित विभाग रोक लगाने में असफल दिखाई दे रहा है।अब देखना या है डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्य इन अवैध कोचिंग संचालकों पर कब तक रोक लगाते है।

संपादकीय

साख में भी सेंध लगेगी

सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं? सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) ने पहले सरकार को पत्र लिखकर शिकायत की कि ई–20 (20 प्रतिशत इथॉनोल मिले) पेट्रोल से कारें खराब हो रही हैं। लेकिन अब सियाम ने यह कहते हुए वो पत्र वापस ले लिया है कि किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले अभी और जानकारी की जरूरत है! ई–20 ईंधन को बड़ा सियासी मुद्दा बना चुके आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि कार कंपनियों के इस संगठन ने सरकार के दबाव में आकर पत्र वापस लिया। इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरे सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने सियाम के दोनों पत्रों में मौजूद श्खतरनाक्य अंतर्विरोधों का उल्लेख करते हुए कहा है कि दबाव में हुए इस रुख परिवर्तन से भारतीय ऑटो उद्योग की प्रमुख संस्था की साख नष्ट हुई है। अपने पहले पत्र में सियाम ने लिखा था– श्कारों में क्लोराइड प्रेसर के कारण पाट–पुर्जों को बदलने के मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। ऐसा होने का संबंध ईंधन से पाया गया है।य बहरहाल, अपने इस ऑब्जर्वेशन से भले सियाम पलट गया हो, लेकिन इससे ई–20 से वाहनों हो रहे नुकसान, वाहन मेनटेनेंस खर्च में बढ़ोतरी, और माइलेज घटने जैसे वाहन उपभोक्ताओं के अनुभवों पर शायद ही कोई फर्क पड़े। दरअसल, बुधवार को जब सियाम के पलटने की खबर आई, लगभग उसी समय दिल्ली टैक्सी, टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एंड टुअर ऑपरेटर एसोसिएशन के दर्जनों सदस्य राष्ट्रीय राजधानी में सड़क पर उतर कर ईंधन में मिलावट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। स्पष्टतरू ये मुद्दा अब उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जिसे केंद्र दरकिनार नहीं कर सकता है। यह अफसोसनाक है कि उसने इस मामले में भी धुआंधार प्रचार से शिकायत पर परदा डालने और तथ्यों को छिपाने का नजरिया अपनाया है। मगर ऐसे तरीके अब कारगर होते नहीं दिखते। असल में सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं? अगर ये संदेह मजबूत हुआ, तो उससे सरकार की साख में भी सेंध लगेगी।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम–आशा) किसानों को उनकी उपज का सही दाम दिलाने के लिए सरकार की एक प्रमुख मूल्य–समर्थन योजना है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बेहतर ढंग से लागू करने और किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर फसल बेचने से बचाने के लिए विभिन्न योजनाएं शामिल हैं। दालों, तिलहन और खोपरा की खरीद केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा नेफेड और एनसीसीएफ जैसी संस्थाओं के माध्यम से की जाती है। वर्ष 2026–27 के लिए 7,200 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के साथ, श्पीएम–आशाय प्रभावी मूल्य–समर्थन उपायों को और सुदृढ़ बनाती है। श्आधारस्य–आधारित प्रमाणीकरण, ई–नाम, ई–समृद्धि और ई–संयुक्ति सहित डिजिटल सुधारों ने पारदर्शिता और खरीद क्षमता में सुधार किया है। कृषि अवसंरचना कोष से मिली मदद और खरीद के दायरे को बढ़ाने से यह योजना और भी मजबूत हुई है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ छोटे और हाशिये पर रह रहे किसानों सहित सभी किसानों तक पहुँचे। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम–आशा) एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार ने सितंबर 2018 में इस योजना की शुरुआत की थी। इसे इस तरह से तैयार किया गया था कि उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में स्थिरता भी बनी रहे और साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी मिल सके। पीएम–आशा एक एकीकृत फ्रेमवर्क के तहत कई मूल्य समर्थन प्रणालियों को एक साथ लाती है। प्रत्येक प्रणाली को फसल और बाजार की स्थितियों के अनुसार लागू किया जाता है। यह योजना एमएसपी को लागू करने में मदद करती है और किसानों को मजबूरी में फसल बेचने से बचाती है। साथ ही, यह उपभोक्ताओं के लिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करते हुए किसानों की आय को भी स्थिर बनाये रखती है। पीएम–आशा के तहत, खरीद की व्यवस्था प्रत्येक विपणन सत्र (मार्केटिंग सीजन) से पहले ही शुरू हो जाती है। केंद्रीय नोडल एजेंसियां और राज्य सरकारें फसलों के बाजार में पहुंचने से पहले ही खरीद के लिए जरूरी अवसंरचना तैयार कर लेती हैं। इस समन्वित दृष्टिकोण से खरीद का काम समय पर होता है और यह पूरे देश में एमएसपी के प्रभावी कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाता है। यह योजना कटाई के समय जब बाजार की कीमतें एमएसपी से नीचे गिर जाती हैं, तब एमएसपी पर फसलों की खरीद सुनिश्चित करती है। इसमें मुख्य रूप से दालें, तिलहन और खोपरा शामिल हैं। राज्य सरकारों के अनुरोध पर भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) जैसी एजेंसियों के माध्यम से खरीद की जाती है। इसके लिए सिफ ‍वे किसान पात्र हैं जिनके पास जमीन के वैध कागजात हैंय इससे बिना किसी बिचौलिए के किसानों को सीधा लाभ सुनिश्चित होता है। उन्हें मजबूरी में फसल नहीं बेचनी पड़ती और कीमतों में भारी गिरावट के दौरान किसानों की आमदनी स्थिर बनी रहती है। खरीद वर्ष 2024–25 से, मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत, दालों, तिलहन और खोपरा (कोपरा) की खरीद की अनुमति शुरुआत में किसी राज्यध्केंद्र शासित प्रदेश के कुल उत्पादन के 25त्न तक दी गई है। इस सीमा से अधिक की अतिरिक्त खरीद को सचिवों की समिति द्वारा राष्ट्रीय उत्पादन के 25त्न तक मंजूरी दी जा सकती है। हालाँकि, घरेलू दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए, तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद की अनुमति राज्य के उत्पादन के 100त्न तक दी गई है। मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) दालों, प्याज और आलू जैसी आवश्यक वस्तुओं का बफर स्टॉक बनाकर उपभोक्ताओं को कीमतों में उतार–चढ़ाव से बचाता है। इसकी स्थापना प्रमुख कृषि–बागवानी उत्पादों की कीमतों में स्थिरता लाने के लिए की गई थी। कीमतों में अचानक वृद्धि को नियंत्रित करने और उन्हें आम जनता की पहुंच में (किफायती) रखने के लिए कटाई के मौसम में वस्तुओं की खरीद की जाती है और गैर–फसल (कम आवक वाले) मौसम में उन्हें बाजार में जारी किया जाता है। पीएसएफ को अब पीएम–आशा में विलय कर दिया गया है, लेकिन इसका प्रबंधन अभी भी उपभोक्ता मामलों का विभाग ही करता है। मूल्य अंतर भुगतान योजना (पीडीपीएस) के तहत, किसानों की उपज को भौतिक रूप से खरीदा नहीं जाता है। इसके बजाय, अधिसूचित बाजारों में एमएसपी और वास्तविक बाजार मूल्य के बीच के अंतर का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाता है। यह भुगतान एमएसपी मूल्य के अधिकतम 15त्न तक हो सकता है। यह योजना मुख्य रूप से तिलहन के लिए उपयोग की जाती है और बड़े पैमाने पर खरीद संबंधी अवसंरचना की आवश्यकता को कम करती है। यह योजना किसानों को एमएसपी का संरक्षण प्रदान करते हुए बाजार–आधारित बिक्री को बढ़ावा देती है। बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को जल्दी खराब होने वाले कृषि और बागवानी उत्पादों की एक श्रृंखला की खरीद के लिए बनाया गया है।

जिनपिंग की भारत यात्रा– बॉर्डर पर तैनाती और निगरानी बढ़ाने का समय आ गया

संतोष

भारत–चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। जिनपिंग इससे पहले वर्ष 2019 में शिखर वार्ता के लिए भारत आएं थे। चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है। ऐसे में नई दिल्ली में स्वागत की तैयारियों से भी ज्यादा जरूरी हो जाता है भारत–चीन सीमा पर सैनिकों को पूरे साजो–सामान के साथ 24 घंटे रेडी मोड में रखना। चीन का इतिहास भी यही बताता है कि भारत को अब और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। भारत–चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। लेकिन चीन इसके बिल्कुल उल्टा करता है। चीन का इतिहास यह बताता है कि भारत की तरफ से संबंध सुधारने के लिए जब भी शीर्ष स्तर पर कोई नेता चीन जाता है या फिर भारत के निमंत्रण पर जब भी चीन से कोई शीर्ष नेता भारत आता है तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनयिक शिष्टाचार को पूरी तरह से धत्ता बताते हुए चीन की सेना सीमा पर खुराफात शुरू कर देती है। एक तरफ शीर्ष स्तर पर बातचीत, शांति और व्यापारिक संबंधों के ढोल बज रहे होते हैं तो वहीं दूसरी तरफ चीन की सेना भारत के क्षेत्र में जबरदस्ती घुसपैठ करने और भारतीय सेना से लड़ती–भिड़ती नजर आती है। आपको बता दें कि, चीन की सेना पाकिस्तानी सेना की तरह बेलगाम नहीं है यानी चीन की सेना जो कुछ भी करती है वह राष्ट्रपति की मंजूरी से ही करती है। वैसे तो शीर्ष स्तर पर यात्राओं के दौरान चीन की इस तरह की हरकतों का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन आपके सामने कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को उदाहरण के तौर पर रख देते हैं। वर्ष 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान ही चीनी सेना की एक टुकड़ी ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला इलाके में स॰ब पार करके भारतीय सीमा में न केवल घुसपैठ किया था बल्कि भारतीय सैनिकों की एक छोटी सी टुकड़ी से उनके हथियार तक छीन लिए थे। चीनी सेना ने इससे भी बड़ी नापाक हरकत वर्ष 2013 में अपने ही प्रधानमंत्री ली केकियांग के भारत दौरे से पहले की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान वर्ष 2013 में चीनी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले च्स। यानी चीनी सेना पूर्वी लद्दाख (भारतीय क्षेत्र) में 19 किलोमीटर तक न केवल अंदर घुस आई थी बल्कि वहां तंबू लगाकर कब्जा भी कर लिया था। दोनों देशों की सेनाएं आमने–सामने आ गई थी और लगभग 20 दिनों तक यह गतिरोध बना रहा था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत यात्रा पर आएं। जिनपिंग के भारत पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले ही चीन की सेना ने लद्दाख में घुसपैठ कर, अवैध तरीके से सड़क बनाना शुरू कर दिया। यहां भी दोनों देशों की सेनाएं लगभग दो सप्ताह तक आमने–सामने खड़ी रहीं। इस तरह के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं जब भारत और चीन के शीर्ष नेता बातचीत कर रहे थे या बातचीत करने की तैयारी कर रहे थे, ठीक उसी समय चीन की सेना नापाक हरकतें कर रही थी। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या चीन सितंबर के महीने में बॉर्डर पर फिर से कोई बड़ी खुराफात करने की योजना तो नहीं बना रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि भारत में 12–13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के राष्ट्रपति के भी इस सम्मेलन में आने की तैयारियां चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिनपिंग के दौरे की अभी आधिकारिक तौर पर औपचारिक सूचना भले ही न मिली हो लेकिन एडवांस टीमों के दौरे और बाकी तैयारियों से यह

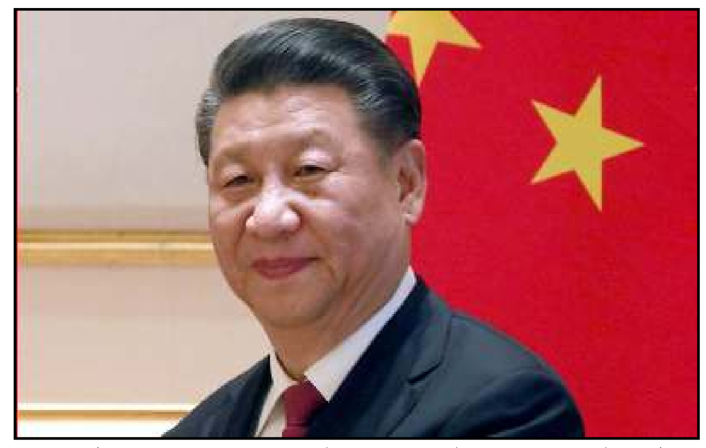

लग रहा है कि वह भारत आ सकते हैं। अगर ऐसा है तो भारत और चीन की सीमा पर चौकसी को और ज्यादा बढ़ाने का समय आ गया है। बॉर्डर से लगती भारत की हर चौकी पर सेना को पूरी ताकत और साजो–सामान के साथ तैनात करना पड़ेगा। वहां पर संचार के साधन और बिजली की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था करनी होगी। रिजर्व फौज को भी तैयार रखना होगा ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। दोनों देशों के बीच सीमा पर हथियार नहीं चलाने का समझौता हो रखा है तो ऐसे में जाहिर तौर पर लड़ने के लिए अलग तरह की तैयारियां तो करनी ही पड़ेगी। इस तरह के हालात में सैन्य साजो–सामान, हथियार, बेहतर संचार के साधन, 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, बेहतर सड़क और खाने–पीने के सामानों की भरपूर उपलब्धता के साथ ही बड़ी–बड़ी नुकीले कील लगे डंडे की भी जरूरत पड़ती है। सबसे जरूरी बात यह है कि नई दिल्ली की तरफ से इनके पास स्पष्ट ऑर्डर होना चाहिए कि चीनी सेना की नापाक हरकतों का जवाब कैसे और किस हद तक जाकर देना है।

प्रियंका पर राहुल को तरजीह, बच्चन परिवार से बिगड़े रिश्ते

अभिनय

10 नवंबर को प्रकाशित होने वाली किताब को लेकर सोनिया गांधी कहती हैं कि उनके परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया। लेकिन उनके इरादों, काम और मानवीय पहलुओं को उस तरह नहीं समझा गया। कई मायनों में ये किताब उनकी इंसानियत

को समर्पित है। जब मैंने राजनीति से कुछ दूरी बनाकर पीछे मुड़कर अपने जीवन को देखा तो मुझे अपनी कहानी में प्यार और वफादारी का एक दागा साफ नजर आया। ये धागा इटली के एक छोटे शहर से बिताए साधारण बचपन से शुरू होकर भारत में राजीव गांधी की पत्नी और इंदिरा गांधी की बहू के रूप में बिताए तक जाता है। भारतीय राजनीति में ये सवाल अक्सर पूछा जाता है कि आखिर सोनिया गांधी प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनीं? साल 2004 में यूपीए गठबंधन के पास पूर्ण बहुमत होने के बावजूद सोनिया ने पीएम की कुर्सी क्यों ठुकरा दी? सोनिया गांधी ने प्रियंका के बदले राहुल को क्यों राजनीति में आगे किया। जब राहुल को आगे कर ही दिया तो फिर मनमोहन सिंह की सरकार में उन्हें कभी मंत्री क्यों नहीं बनने दिया? सोनिया जब पीएम नहीं बनी तो पहले दावेदार तो प्रणव मुखर्जी थे पर उन्होंने मनमोहन सिंह का नाम क्यों फाइनल करवा दिया? सवाल ये भी पूछा जाता है कि डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री तो बने लेकिन बागडोर सोनिया के ही हाथ में रही। इन सबके बीच में पारिवारिक दोस्त रहे अमिताभ बच्चन से उनके रिश्ते किस बात पर बिगड़े? सोनिया गांधी से जुड़े जितने भी सवाल हैं, उन सभी सवालों से अब पर्दा उठने वाला है। सोनिया गांधी ये वो नाम है जो 80 के दशक से ही भारतीय राजनीति में चर्चा का विषय बना रहा और आज भी है। दरअसल,कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अपने संस्मरण में निजी जिंदगी से लेकर राजनीति तक के सफर की कहानी बताने जा रही हैं। ये कहानी किसी मीडिया ब्रीफ्रिंग या वीडियो के माध्यम से नहीं नहीं बल्कि अपनी किताब बिलॉन्गिंगरू ए जर्नी ऑफ लव के माध्यम से बताइंगी। सोनिया के जीवन पर लिखी किताब 10 नवंबर को वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त पब्लिशर अल्फ्रेड ए नोफ के प्रकाशन से जारी होगी। इसमें नेहरू, गांधी परिवार में शादी के बाद का जीवन, राजनीति में प्रवेश और प्रधानमंत्री पद ठुकराने के फैसले जैसे महत्वपूर्ण प्रसंग शामिल हैं। 10 नवंबर को प्रकाशित होने वाली किताब को लेकर सोनिया गांधी कहती हैं कि उनके परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया। लेकिन उनके इरादों, काम और मानवीय पहलुओं को उस तरह नहीं समझा गया। कई मायनों में ये किताब उनकी इंसानियत को समर्पित है। जब मैंने राजनीति से कुछ दूरी बनाकर पीछे मुड़कर अपने जीवन को देखा तो मुझे अपनी कहानी में प्यार और वफादारी का एक दागा साफ नजर आया। ये धागा इटली के एक छोटे शहर से बिताए साधारण बचपन से शुरू होकर भारत में राजीव गांधी की पत्नी और इंदिरा गांधी की बहू के रूप में बिताए तक जाता है। सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति में एंट्री का फैसला किया तो केसरी के ना चाहते हुए भी पार्टी ने सोनिया को पार्टी प्रमुख बना दिया। इसकी भी एक दिल्चस्प कहानी है जब 1997 के आखिर में सोनिया गांधी ने घोषणा की कि वो कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। तब कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम केसरी ने सोनिया को कांग्रेस के लिए श्तारणहारश बताते हुए पार्टी में उनका स्वागत तो किया। लेकिन जब सोनिया को कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने की मांग उठी, तब केसरी ने हिचकिचाहट जाहिर की। कहते हैं जिस दिन सोनिया पार्टी अध्यक्ष चुनी गई केसरी को जबरन पार्टी दफ्तर में नजरबंद रखा था। शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने विदेशी होने के कारण सोनिया को पीएम के चेहरे के तौर पर प्रोजेक्ट किए जाने का विरोध किया तो सोनिया ने पार्टी प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया। तीनों बागियों को कांग्रेस से निकाले जाने के बाद सोनिया ने इस्तीफा वापस लिया। कार्यकाल की वजह से देश चमक रहा है। ये पॉजिटिव कैंपेन था लेकिन इसका असर नेगेटिव हो गया और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता के लिए एनडीए की सरकार हार गई। किसी ने सोचा भी नहीं था कि सोनिया गांधी अटल बिहारी वाजपेयी के सामने कांग्रेस को जीत दिलाईंगी। उन्हीं के फॉर्मूले पर एनडीए की जगह यूपीए बनेगी। इसके साथ ही उसके अंतर्गत एक गठबंधन की सरकार देश में बनेगी। ये सोनिया गांधी के युग की शुरुआत थी और गांधी परिवार के शीर्ष पर आने की वापसी। जब 2004 में कांग्रेस सरकार बनाने की स्थिति में आई कांग्रेस ही नहीं उसके तमाम सहयोगी दल भी जब यह चाहते थे कि सोनिया गांधी ही प्रधानमंत्री बने, तो फिर उन्होंने ना क्यों कह दिया? ना कहा भी तो प्रधानमंत्री पार्टी की तरफ से कौन होगा? यह तो चुनने का अधिकार उन्हीं के पास था। स सबसे सीनियर प्रणव मुखर्जी थे। अनुभवी थे। फिर सोनिया ने उनकी जगह मनमोहन सिंह का नाम पीएम के लिए आगे क्यों बढ़ाया? क्या इसलिए कि सोनिया को उन पर ज्यादा भरोसा था? उन पर जो सुपर पीएम होने के इल्जाम लगते हैं, उसमें किस हद तक सच्चाई है? जब सोनिया गांधी के सामने उत्तराधिकार की बात आई, उनके सामने दो विकल्प थे। राहुल और प्रियंका। तो सोनिया गांधी ने प्रियंका के बदले राहुल को क्यों आगे किया? वह भी तब जब प्रियंका के बारे में कहा जाता था कि उनमें उनकी दादी इंदिरा गांधी का अक्ष दिखता है। राहुल को हमेशा से ही राजीव का राजनीतिक उत्तराधिकारी मान लिया गया था। या फिर यह सोनिया गांधी का ही फैसला रहा कि राहुल ही आगे पार्टी को लीड करेंगे। अगर सोनिया ने किसी मकाम पर यह तय भी कर लिया कि राहुल ही आगे पार्टी का सारा कामकाज देखेंगे तो जब मौका था मतलब यूपीए की सरकार थी। सोनिया सबसे ताकतवर थी। तो उन्होंने राहुल को कभी मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री क्यों नहीं बनने दिया? जबकि उस वक्त के कई सीनियर नेताओं ने भी यह मांग उनसे की थी। इन सवालों का जवाब उम्मीद की जा रही है कि 10 नवंबर को मिले। कांग्रेस ही नहीं बीजेपी की भी नजर सोनिया गांधी की इस 544 पन्नों वाली ऑटोबायोग्राफी पर है जो अल्फ्रेड ए नो पब्लिशिंग हाउस से छप रही है। अहम बात यह है कि अपने करियर के आखिरी मोड़ पर सोनिया गांधी जो किताब लिख रही हैं उसमें सच्चाई कितनी है ।

दलित पिछड़े के बाद महिला की आवाज, राहुल देश बदल रहे हैं

शकील

नफरत और विभाजन देश को अंदर से खोखला कर रहे हैं। राहुल ने मर्ज को पहचान लिया है। हाशिए पर पड़े हर समुदाय को साथ लेकर चलना होगा। 12 साल में मोदी ने सबको लड़वा कर देख लिया। वे सत्ता में तो बने रहे। मगर देश पीछे चला गया। वे बातों ही बातों के जरिए तुमार बांधते रहते हैं। मगर अब देश की सबसे नई पीढ़ी अल्फा ने भी जो स्कूली छात्र–छात्रा हैं उनकी बातों की हकीकत जान ली है। राहुल के कई भाषणों के बाद हमने सुना लोग कहते हैं यह उनका सबसे अच्छा भाषण है। सच यह है कि उनके सभी भाषण बहुत अच्छे होते हैं। दिल से निकले हुए। उच्च आदर्शों वाले नफरत और विभाजन के विरोधी। एक बड़ा देश, विकसित और अंदर से मजबूत ऐसे ही बनाया जाता है। छोटेपन की बातें करके नहीं।हमें पता नहीं कि सोनिया गांधी की आने वाली किताब शबिलान्गिंग ए जर्नी आफ लवश में कांग्रेस के 2014 और उससे पहले 2013 में दिल्ली विधानसभा हारने के कारणों पर लिखा गया है या नहीं। उम्मीद कम है। क्योंकि अगर सोनिया लिख दें तो वह कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं के जिनमें से कुछ हैं और कुछ नहीं रहे के सारे दोहरेपन, निज स्वार्थ की राजनीति और कांग्रेस विरोधी मानसिकता को उजागर कर देगा। राजनीतिक समाचार और विश्लेषण पढ़ना सोनिया बड़ी नेता और उससे बड़ी ह्यूमन वैल्यू वाली इंसान हैं। वे अपने साथ काम कर चुके लोगों की मिट्टी पलीद नहीं होने देंगी। हालांकि उन लोगों ने कांग्रेस की कब्र खोदने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। कोई कारण नहीं था 2014 में हारने का। यह अन्ना का नकली आंदोलन और केजरीवाल संघ का उनको समर्थन कुछ नहीं कर सकता था। अगर कांग्रेस के अंदर के लोग हथियार नहीं डालते तो। सोनिया और मनमोहन सिंह को नहीं डराते तो। राहुल और प्रियंका को मालूम है सब। मगर वे भी परिवार की उन उच्च मानवीय परंपराओं से बंधे हुए हैं जिसमें अपने साथ काम किए लोगों के अंदरखाने नुकसान पहुंचाने की कहानियों को सार्वजनिक नहीं किया जाता। विश्वासघात जैसे सबसे बड़े जख्म को भी चुपचाप सह लिया जाता है। लेकिन वफादार लोगों को थोड़ा बेहतर महसूस हो, लगे कि प्रतिबद्ध लोगों और निहित स्वार्थियों के बीच कोई फर्क किया जाता है इसके लिए कहीं कोई काम करना संदेश देना राजनीति में जरूरी है। कभी लिखेंगे।खैर यह लिखा इसलिए कि शनिवार 22 अगस्त को पुणे में राहुल ने एक धारा को पलटने वाला, खेल का रूख बदल देने वाला साहसिक कदम उठाया। उन्होंने सीधे पैट्रियार्की (पितृ सत्तात्मक समाज) को चुनौती दे दी। मनुस्मृति का उल्लेख करके बता दिया कि लड़कियों को नियंत्रण में रखने का विचार कहां से आया है। राहुल ने देश की 70 करोड़ महिलाओं को भारत की असली ताकत बताया। अब सोचिए कि जब देश में महिला सम्मान और समानता की बात भी बहुत मुश्किल से की जाती है। तब महिला मुक्तिकी बात तो एकदम क्रान्ति की आवाज ही है। राहुल जैसा नेता ही यह कर सकते हैं। इससे पहले जाति गणना की बात भी देश में एक बड़ा विवादास्पद विषय माना जा रहा था। लेकिन राहुल ने उसे संभव कर दिखाया। मोदी सरकार को मानना पड़ा। हालांकि अब जनगणना में ओबीसी का कॉलम न देकर वह इस मुद्दे को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। मगर अब यह देश की 50 प्रतिशत से ऊपर ओबीसी की राजनीतिक जगरूकता का सवाल है कि वे इसे किस प्रकार करवा पाते हैं। खासतौर से सत्तापक्ष के ओबीसी सांसद और विधायक। उन्हें आगे आकर सारे दलों के सांसद विधायकों का सम्मेलन करना चाहिए और ओबीसी के मुद्दों को बिना डरे उठाना चाहिए। भारत समाचार उनके विरोध में दिल्ली में जंतर–मंतर से एक आन्दोलन शुरू हो गया। राहुल ने उन्हें जगा तो दिया था। मगर ओबीसी, दलित, आदिवासी जगा रहे इसकी जिम्मेदारी उस समुदाय के नेताओं की है। आन्दोलन सीधा है। आरक्षण हटाओ। मतलब सामाजिक न्याय खत्म करो।राहुल कहते रहे हैं कि यह मनुस्मृति लागू करने की तरफ जा रहे हैं। राहुल इसलिए हाथ में संविधान लिए घूम रहे हैं। वह राहुल का अभियान ही था 2014 में मोदी 240 से आगे नहीं बढ़ पाए। चार सौ पार मांग रहे थे। संविधान खत्म कर दिया जाता। खतरा अभी टला नहीं है। इसलिए राहुल ने पुणे में फिर मनुस्मृति का जिक्र किया। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा में अभी खत्म हुए मानसून सत्र में कह चुके हैं कि मनुस्मृति के जरिए दलितों को गुलाम बनाकर रखा गया था। उसका बदला कुछ ही दिनों में इस तरह लिया गया कि उत्तराखंड हलद्वानी में जिस रामलीला मैदान में खरगे की सभा हुई उस स्थान को गंगाजल से धोकर पवित्र किया गया। बताने के लिए कि दलित खरगे अपवित्र हैं। उत्तर प्रदेश जहां अभी सबसे निर्णायक विधानसभा चुनाव होने वाला है वहां जब 2017 में अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री निवास छोड़ा तो उसे भी गंगाजल से धुलवाकर पवित्र किया गया। सोचिए एक कांग्रेस का अध्यक्ष और एक सपा का अध्यक्ष और मुख्यमंत्री इनके ऐसे अपमान हो रहे हैं तो सामान्य दलित और पिछड़े का

अपमान कैसे होता होगा? इस सामाजिक स्थिति को बदलने के लिए ही सामाजिक न्याय की शुरूआत हुई। इसे खत्म करना चाहते हैं। आरक्षण हटाओ आन्दोलन इसकी पहली कड़ी है। भाजपा इसमें शामिल हो गई है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आरक्षण सुधार के नाम से इसका समर्थन करने प्रेस कान्फ्रेंस में सामने आ गए।तो अब जागना दलित पिछड़े आदिवासी, महिला को है। राहुल वोट का रिस्क लेकर उनके साथ खड़े होते हैं। जब दलित लड़की के साथ बलात्कार और हत्या में वे हाथरस जा रहे थे तो राज्य सरकार ने तो उन्हें रोका ही कई दूसरे लोग भी उनके खिलाफ बोलने लगे। यहां तक कि दलित की बेटी कहने वाली मायावती भी। वे खुद हाथरस नहीं गईं। राहुल को पहली बार में तो जाने ही नहीं दिया गया। दूसरी बार में पुलिस ने उन्हें सड़क पर गिरा दिया। लाठी चार्ज किया। मगर वे और प्रियंका परिवार तक पहुंचे। उस समय दलित विरोधी मानसिकता रखने वालों को भड़काने का भारी काम किया गया। सामूहिक बलात्कार और हत्या की बात न करके कहा गया कि राहुल आप लोगों का विरोध कर रहे हैं। आरोपियों के गैर दलित होने के कारण उन्हें समर्थन मिल रहा था। ऐसी मुश्किल घड़ी में राहुल ने परिवार के साथ खड़े होने का काम किया है। जाति गणना की मांग पर भी राहुल के खिलाफ ऐसा ही प्रचार किया गया। और अब महिला अधिकार की आवाज उठाने पर भी राहुल को पुरुष विरोधी बताया जा रहा है। राहुल केवल यह बता रहे हैं कि समाज मेल डोमिनेटिंग (पुरुष प्रधान) है। देश की तरक्की के लिए आधी आबादी को पूरे अधिकार मिलना चाहिए। 70 करोड़ महिला देश की सबसे बड़ी ताकत हैं।

चीनी के बढ़ते दाम पर फेसबुक पोस्ट करना लेखपाल को पड़ा भारी, निलंबित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । चीनी के बढ़ते दाम को लेकर फेसबुक पर पोस्ट करना शाहगंज तहसील में तैनात एक लेखपाल को भारी पड़ गया। सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए लेखपाल अशोक कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मचा हुआ है। अशोक कुमार यादव शाहगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम बारा में लेखपाल के पद पर तैनात हैं और संबंधित क्षेत्र के हल्का प्रभारी भी हैं। सोमवार को उन्होंने चीनी के बढ़ते दाम को लेकर फेसबुक पर एक पोस्ट किया। पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला प्रशासनिक अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा। मामले में कार्रवाई करते हुए एसडीएम अंकुर कुमार वर्मा ने लेखपाल को निलंबित कर दिया। हालांकि, एसडीएम से मामले के संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन वह निरीक्षण में व्यस्त होने के कारण बात नहीं हो सकी। तहसीलदार सौरभ कुमार ने बताया कि लेखपाल अशोक कुमार यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर चीनी के दाम को लेकर पोस्ट किया था। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी द्वारा शासन की नीतियों को लेकर इस तरह सोशल मीडिया पर पोस्ट करना उचित नहीं है। मामले को संज्ञान में लेते हुए एसडीएम की ओर से लेखपाल के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबित लेखपाल अशोक कुमार यादव से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि वह दो दिनों से छुट्टी पर हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें निलंबन की कार्रवाई और मामले के संबंध में जानकारी नहीं है।

जौनपुर में भारी बारिश, पेड़ गिरने से कार क्षतिग्रस्त

शहर–ग्रामीण इलाकों में जलभराव, सड़कें डूबीं, 8 एमएम बारिश दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । जौनपुर में सोमवार रात 11 बजे से मंगलवार सुबह नौ बजे तक रुक–रुककर हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा। करीब 10 घंटे हुई बारिश के चलते शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जगह–जगह जलभराव हो गया। कई सड़कें पानी में डूब गईं और निचले इलाकों के घरों में भी पानी घुस गया। मंगलवार सुबह तक जिले में करीब 8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शहर के रुहट्टा कॉलोनी समेत कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति गंभीर रही। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में नाले और नालियां बारिश के पानी से भर गए, जिससे जलनिकासी व्यवस्था प्रभावित हुई। लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान कई स्थानों पर पेड़ और डालियां गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। रामपुर नगर पंचायत क्षेत्र में तेज बारिश और तूफान के बीच पेड़ गिरने से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बारिश से पहले बिजली के खंभों को पॉलीथीन या प्लास्टिक पाइप से ढकने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन नगर के कई स्थानों पर खंभे अब भी खुले पड़े हैं। इससे जलभराव के बीच करंट उतरने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में खुले बिजली खंभों से हादसे हो चुके हैं। वहीं, जलभराव के कारण सड़कों पर बने गड्ढे पानी में छिप गए हैं। इससे दोपहिया और चार पहिया वाहनों के फंसने तथा दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। बारिश ने नगर की जलनिकासी और सड़क व्यवस्था की तैयारियों की भी पोल खोल दी है। लगातार बारिश के कारण शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों की दिनचर्या प्रभावित रही। कई मार्गों पर पानी भरने से वाहनों की रफ्तार थम गई और लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ी।

जौनपुर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 25 अगस्त । यूपी के जौनपुर में जौनपुर जिला कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे करीब 65 वर्षीय कैदी की सोमवार देर रात जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान आजमगढ़ जिले के रानी की सराय थाना क्षेत्र के चकवारा गांव निवासी जैनू यादव के रूप में हुई है।इस मामले में मंगलवार को जानकारी लेने पर जेल अधीक्षक पवन द्विवेदी ने बताया कि जैनू यादव को हत्या के एक मामले में आजमगढ़ के जिला एवं सत्र न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वह वर्ष 2008 से जेल में निरुद्ध था। कुछ माह पूर्व उसे आजमगढ़ जिला कारागार से जौनपुर जिला कारागार स्थानांतरित किया गया था। सोमवार को जेल में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। जेल प्रशासन ने तत्काल उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में शाम करीब सात बजे उसका उपचार शुरू किया गया, लेकिन रात करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई। कैदी की मौत की सूचना मिलने पर कारागार पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया और परिजनों को सूचना दी। मंगलवार सुबह परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

डीएम ने जवाहर नवोदय विद्यालय मड़ियाहूं का किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने मंगलवार को जवाहर नवोदय विद्यालय, मड़ियाहूं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्र–छात्राओं से संवाद कर विद्यालय में पठन–पाठन, भोजन, पेयजल समेत अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पुरुष छात्रावास में साफ–सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। आवासीय भवनों की मरम्मत के लिए कार्यदायी संस्था आरईएस को आवश्यक एस्टीमेट तैयार करने को कहा। महिला छात्रावास का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चहारदीवारी की ऊंचाई बढ़ाने और उसके ऊपर कंटीले तार लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक सावधानी बरतने को कहा। विद्यालय में भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संतोष जताया। उन्होंने प्राचार्य को परिसर की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने और नियमित रूप से झाड़ियों की कटाई–छंटाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही बारिश के मौसम को देखते हुए जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने विद्यालय में निर्मित मल्टीपरपज हॉल का भी निरीक्षण किया और उसे नियमित रूप से क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और बेहतर होनी चाहिए, ताकि छात्र–छात्राओं को सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

प्रो. राकेश कुमार सिंह ने संभाला पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को अपराह्न तीन बजे पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय को तकनीक–सक्षम, पारदर्शी और विद्यार्थी–केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करने को अपनी प्राथमिकता बताया। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े प्रो. राकेश कुमार सिंह को उच्च शिक्षा प्रशासन का भी लंबा अनुभव है। उन्होंने कुलसचिव, परीक्षा कार्य, छात्र कल्याण तथा योजना एवं विकास समेत विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इससे पूर्व वह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से जुड़े रहे हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में पठन–पाठन, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाएगा। उन्होंने शोधा और नवाचार को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है और इसे नई तकनीक तथा बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शोध को प्रोत्साहित करने और प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मजबूत डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्था विकसित की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की नियमित निगरानी की जाएगी। छात्रों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संवाद के माध्यम से उनका समाधान किया जाएगा। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की इस यात्रा में शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय सभी सहभागी होंगे। सामूहिक प्रयास से विश्वविद्यालय को और बेहतर बनाया जाएगा। पदभार ग्रहण करने के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नवनियुक्त कुलपति का स्वागत किया। इसके बाद कुलपति ने मुक्तांगन परिसर में पौधरोपण भी किया।

अवैध असलहा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार12 अवैध हथियार और दो चोरी की बाइक बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मछलीशहर पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अंतरजनपदीय अवैध असलहा तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ताजुद्दीनपुर पुलिया के पास दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से पांच देशी पिस्टल, सात अवैध तमंचे और चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने मंगलवार दोपहर तीन बजे पुलिस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मछलीशहर पुलिस और स्वाट टीम को यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रयागराज के फूलपुर थाना क्षेत्र के ढोकरी गांव निवासी शिव प्रकाश मिश्रा, मनकामेश्वर मिश्रा और खोजापुर गांव निवासी प्रियांशु शुक्ला के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपितों ने अंतरजनपदीय स्तर पर अवैध असलहों की खरीद–फरोख्त में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह प्रयागराज, जौनपुर और मिर्जापुर समेत अन्य जनपदों में अवैध हथियारों की सप्लाई करता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी करीब 25 हजार रुपये में पिस्टल और पांच हजार रुपये में तमंचा बेचते थे। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना के रूप में मिर्जापुर के हलिया थाना क्षेत्र के हरसड़ निवासी सुनील दूबे पुत्र रामसिरोमणि दूबे का नाम बताया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि गिरोह का किसी अन्य अवैध हथियार तस्करी सिंडिकेट से संबंध तो नहीं है। एएसपी ग्रामीण ने बताया कि पुलिस टीम मैनुअल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर लगातार गिरोह की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। पूर्व में पकड़े गए कुछ आरोपितों से पूछताछ में भी जानकारी मिली थी कि दूसरे जिलों के लोग जौनपुर आकर अवैधा असलहों की बिक्री करते हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई को आगे बढ़ाया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मनकामेश्वर मिश्रा के खिलाफ मिर्जापुर के कछवा थाने में आर्म्स एक्ट के तहत पहले से मुकदमा दर्ज है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, हथियारों की सप्लाई के स्रोत और नेटवर्क के विस्तार की जानकारी जुटा रही है।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह को विश्वविद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह का तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मंगलवार को विश्वविद्यालय अतिथि गृह में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल की माटी में अपार संभावनाएं हैं। यहां के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर देश–विदेश में विश्वविद्यालय और पूर्वांचल का नाम रोशन करें, यही उनकी कामना है। उन्होंने कहा कि तीन वर्ष के कार्यकाल में पठन–पाठन और शोध गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। प्रो. वंदना सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग और स्नेह के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव और यहां के लोगों का स्नेह हमेशा स्मरणीय रहेगा। समारोह में कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मुराद अली, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र, उपकुलसचिव अजीत सिंह, बबीता सिंह समेत अन्य शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह, महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. विजय सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों ने प्रो. वंदना सिंह को स्मृति–चिह्न और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वारीन्द्र सिंह यादव, महामंत्री राधेश्याम सिंह मुन्ना, उपाध्यक्ष सुशील प्रजापति, रमेश यादव और श्रीनाथ यादव समेत अन्य कर्मचारियों ने भी उन्हें भावभीनी विदाई दी। सभी ने उनके तीन वर्ष के कार्यकाल को विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण और स्मरणीय बताया।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग से छेड़छाड़ और पीछा करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पीजीआई थाना पुलिस ने नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ और उसका पीछा करने के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया ।पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त 2026 को पीजीआई थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि विशाल नामक युवक उनकी नाबालिग पुत्री का पीछा करता है और उसके साथ छेड़छाड़ करता है। तहरीर के आधार पर थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 430/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 75/79 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 7ध्8 में मुकदमा दर्ज किया गया ।मामला दर्ज होने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तलाश और जांच के बाद 23 अगस्त 2026 को विशाल पुत्र राम विलास, निवासी ग्राम पिपरीखेड़ा, थाना पीजीआई, लखनऊ, उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 430/2026 दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। निर्देश पर महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत की गई।

डी0जे0 का सामान और मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई थाना पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डी0जे0 संचालन का सामान और मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ एंड्राइड प्लेयर, एलईडी लाइट और 11 स्पीकर समेत डी0जे0 संचालन में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में से एक का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास सामने आया है ।पुलिस के मुताबिक 22 अगस्त 2026 को दानिश अंसारी पुत्र मो. जावेद निवासी कनौसी केसरी खेड़ा, थाना मानकनगर, लखनऊ ने पीजीआई थाने में लिखित सूचना दी थी। उन्होंने अपनी दुकान से एंड्राइड सिस्टम, एलईडी बल्ब और स्पीकर चोरी होने की शिकायत की थी। तहरीर के आधार पर थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 429ध्2026, धारा 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया ।इसी क्रम में 5 जुलाई 2026 को इश्तियाक अब्बास पुत्र नजर अब्बास निवासी मोरावां, जिला उन्नाव, वर्तमान पता साउथ सिटी, पीजीआई लखनऊ की तहरीर पर घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने के संबंध में मुकदमा संख्या 358ध्2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। इसके अलावा 6 अगस्त 2026 को प्राप्त ई–एफआईआर के आधार पर ऋषभ राय पुत्र राम प्रसाद, निवासी हैबत मऊ मवैया, रायबरेली रोड, लखनऊ की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी के मामले में मुकदमा संख्या 406/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था।

रहीमाबाद पुलिस ने 15 वर्ष पुराने मामले के वारंटी को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। रहीमाबाद थाना पुलिस ने लंबे समय से न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए करीब 55 वर्षीय एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तारी के कारण और न्यायालय में पेशी की तारीख से अवगत कराने के बाद हिरासत में लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त 2026 को प्रभारी निरीक्षक रहीमाबाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने माननीय न्यायालय एसीजे (जे.डी.) कोर्ट संख्या 34, लखनऊ द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर कार्रवाई की। यह वारंट वाद संख्या 3803964/11 तथा अपराध संख्या 325ध्11, धारा 60 आबकारी अधिनियम, थाना मलिहाबाद से संबंधित है। थाना मलिहाबाद के वर्तमान क्षेत्राधिकार में यह मामला थाना रहीमाबाद से संबंधित है ।पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वारंटी सरयू रावत पुत्र चोखे, उम्र करीब 55 वर्ष, निवासी औलियाखेड़ा, मजरा गौंदा मुअज्जमनगर, थाना रहीमाबाद, लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय तथा मानवाधिकार आयोग के आदेशों एवं दिशा–निर्देशों का अक्षरशः पालन किया गया। वारंटी को गिरफ्तारी के कारण और न्यायालय में तारीखी पेशी के संबंध में जानकारी दी गई। इसके बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है ।वारंटी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह, महिला आरक्षी बबिता चौधरी और आरक्षी ओमप्रकाश, थाना रहीमाबाद, कमिश्नरेट लखनऊ शामिल रहे।

वंदे मातरम् का विरोध औपनिवेशिक भारत की विभाजनकारी राजनीति का हिस्सा था – डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि औपनिवेशिक भारत में वंदे मातरम् का विरोध पूरी तरह विभाजनकारी राजनीति का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश के स्वाभिमान, अस्मिता और स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों के अमर बलिदान से जुड़ा राष्ट्रीय भाव है ।डॉ. निर्मल ने कहा कि वंदे मातरम् का विरोधा सबसे पहले बैरिस्टर सैयद अली इमाम ने वर्ष 1909 में अमृतसर अधिवेशन में किया था। उन्होंने कहा कि सैयद अली इमाम मुस्लिम लीग के अध्यक्ष रह चुके थे। इसके बाद मुस्लिम लीग के तत्कालीन अध्यक्ष रहे मोहम्मद अली जौहर ने भी वंदे मातरम् का विरोध किया। जौहर ने कांग्रेस के काकीनाडा अधिवेशन में अध्यक्ष रहते हुए वंदे मातरम् के गायन का विरोध किया और कांग्रेस अधिवेशन का बहिष्कार किया था ।डॉ. निर्मल ने कहा कि मोहम्मद अली जौहर वही नेता थे जिन्होंने भारत की भूमि के बजाय यरुशलम में दफन किए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि जौहर भारत में नहीं मरे और न ही उनका अंतिम संस्कार भारत की मिट्टी में हुआ ।उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् के विरोध का सिलसिला आगे भी जारी रहा। मोहम्मद अली जिन्ना ने 15 अक्टूबर 1937 को लखनऊ में मुस्लिम लीग की बैठक में वंदे मातरम् के गायन का विरोध किया था। डॉ. निर्मल के अनुसार, जिन्ना के विरोध के बाद वर्ष 1937 में कांग्रेस ने वंदे मातरम् के पूर्ण गायन पर रोक लगाने का निर्णय लिया था।

बीपी मंडल की जयंती पर सपाइयों ने सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

अयोध्या।समाजवादी पार्टी के लोहिया भवन, गुलाब बाड़ी में मंगलवार को सामाजिक न्याय के पुरोधा एवं पिछड़े, वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की मजबूत आवाज रहे बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल (बीपी मंडल) की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बीपी मंडल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके विचारों और सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि बीपी मंडल का पूरा जीवन सामाजिक बराबरी, सम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष को समर्पित रहा। उन्होंने उन वर्गों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती दी, जिन्हें लंबे समय तक सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित रखा गया। मंडल आयोग के माध्यम से पिछड़े वर्गों के अधिकार और प्रतिनिधित्व का सवाल देश की राजनीति के केंद्र में आया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय केवल किसी एक वर्ग का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज में बराबरी और सम्मान स्थापित करने का व्यापक अभियान है। समाजवादी पार्टी डॉ. राममनोहर लोहिया और बीपी मंडल के विचारों से प्रेरणा लेकर पिछड़े, दलित, वंचित एवं शोषित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को लगातार मजबूती देती रही है। सपा नेताओं ने कहा कि आज के दौर में महापुरुषों के विचारों को केवल स्मरण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है। युवाओं को बीपी मंडल के संघर्ष और विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने तथा समानता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए आगे आना चाहिए।कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि सामाजिक न्याय की आवाज गांव–गांव और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाई जाएगी तथा संविधान में निहित समानता, न्याय और अधिकारों के मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य किया जाएगा। इस दौरान "बीपी मंडल अमर रहें" और "सामाजिक न्याय जिंदाबाद" के नारों से लोहिया भवन परिसर गूंज उठा। सपा के निवर्तमान प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम में शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह, घनश्याम यादव, जिला उपाध्यक्ष औरौनी प्रसाद पासवान, जिला सचिव अंसार अहमद, जिला सचिव सीताराम यादव, एससी–एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विद्याभूषण पासी, महिला सभा की जिला अध्यक्ष सरोज यादव, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव पावन यादव 'बिट्टू', शैलेंद्र यादव, बृजेश सिंह चौहान, विशाल यादव, जितेंद्र यादव, जुनैद खान, एडवोकेट राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने महिला एसआई श्वेता राठौड़ व चेतना पांडे के साथ मिशन शक्तिअभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरुक

(राजन तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बुधवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौड़ ने कांस्टेबल प्रिया सिंह, महिला पीआरडी माधुरी तथा साधना सिंह व महिला होमगार्ड शोभा के साथ शहर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, गुरु गोविंद सिंह चौकद्द,कैंट रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न चौराहा तथा सार्वजनिक स्थानों पर मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया।इसी कड़ी में महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, रिकाबगंज, बल्लाहाता,चौक रोडवेज सहित अन्य प्रमुख चौराहा तथा मार्गों पर महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उनके साथ मौजूद रही महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर ने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

हाईवे से जुड़े रास्तों पर गड्ढे ही गड्ढे, बस्ते में मरम्मत

भदोही, (संवाददाता)। वाराणसी–भदोही मछलीशहर हाईवे 731 बी से जुड़ी 6 सड़कें बदहाल हैं। 42 गांवों को जोड़ने वाली इन सड़कों पर जगह–जगह बारिश का भरा है। सड़कों पर गड्ढों की भरमार है। इससे 90 हजार की आबादी को आने–जाने में परेशानी हो रही है। बरसात के दिनों में इन मार्गों पर चलना मुश्किल हो गया है। मरम्मत का प्रस्ताव अधिकारियों के बस्ते में है। चौरी क्षेत्र में कंधिया–अशोगापुर, बरदहा–मई, ब्रह्ममाश्रम–आहोपुर, चौरी–सुरेरी, रोटहा चौराहा–वेदमनपुर, चौरी–बीआरसी मार्ग बदहाल है। कंधिया–अशोगापुर मार्ग 6 गांवों को जोड़ती है। सड़क पर गड्ढों की भरमार है। बाइक सवार अक्सर गिरकर घायल हो जाते हैं। इसी तरह बरदहा–मई मार्ग से 13 गांवों के लोग आते–जाते हैं। इसके अलावा वाराणसी कलिकाधाम के लिए शॉर्टकट रास्ता भी है। इस मार्ग पर हर कदम पर बड़े–बड़े गड्ढे हैं। आए दिन राहगीर गिर कर चोटिल हो रहे हैं। वहीं ब्रह्ममाश्रम–आहोपुर मार्ग पर इंटर कॉलेज और विद्युत उपकेंद्र है। यह रास्ता भी बदहाल है। यहीं हाल चौरी–सुरेरी मार्ग का है जहां हल्की सी बारिश होने पर गड्ढों में पानी भर जाता है। चौरी से ब्लॉक संसाधन केंद्र के लिए यह रास्ता जाता है। रोटहा चौराहा से वेदमनपुर जाने वाले पिच मार्ग बनाने के बाद मरम्मत कराना विभाग भूल गया है। गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सभी सड़कों की पांच साल पहले मरम्मत कराई गई थी। जर्जर सड़कों को लेकर कई बार लोगों ने शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन जिम्मेदार अनभिज्ञ बने हुए हैं। स्थानीय अशोक चौहान, सलीम सिकंदर, धीरज सिंह, प्रदीप यादव ने कहा कि 30 से अधिक गांवों को ये सड़कें जोड़ती हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इसको लेकर अनभिज्ञ बने हैं। चौरी बाजार से ब्लॉक संसाधन वाला मार्ग निर्माण के बाद से ही मरम्मत नहीं हो सकी है। एक दशक पूर्व इसका निर्माण कराया है। इसी सड़क से हर दिन अधिकारी आते–जाते हैं। बरदहां–मई मार्ग के हर कदम गड्ढे बने हैं। इस मार्ग की मरम्मत तो कराई जाती है, लेकिन दो ही साल में उसकी तस्वीर फिर से बदल जाती है। जिम्मेदारों को नए सिरे से इसका निर्माण कराना चाहिए।

भानीपुर में बनेगा अग्निशमन केंद्र, चिह्नित की गई जमीन

भदोही, (संवाददाता)। अभोली ब्लॉक के भानीपुर गांव में अग्निशमन केंद्र बनेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप जमीन चिह्नित कर ली गई है। शासन से स्वीकृति मिलने पर इसका निर्माण शुरू होगा। इससे अभोली, सुरियावां समेत प्रयागराज के सीमावर्ती गांव में आग लगने की घटना होने पर त्वरित समय में टीम पहुंच सकेगी।

जिले के सात नगर निकायों और 546 ग्राम पंचायतों में 20 लाख की आबादी है। अभी तक आग लगने पर ज्ञानपुर, भदोही और औराई से ही वाहन जाते हैं। अभोली और डीघ क्षेत्र में दूरी अधिक होने से समय से वाहन नहीं पहुंच पाते। डीघ ब्लॉक में अभी तक जमीन की तलाश पूरी नहीं हो सकी, लेकिन अभोली के भानीपुर में केंद्र स्थापित करने के लिए जमीन मिल गई है। चयनित भूमि का विधिवत चिह्नांकन करके खतौनी में दर्ज किया गया है। पुलिस विभाग की तरफ से केंद्र बनाने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा दिया गया है। स्वीकृति मिलने पर इसका निर्माण कराया जाएगा।

अयोध्या में निकला शानो शौकत से जुलूस-ए-मोहम्मदी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। पैगंबर इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन के मौके पर राम की नगरी अयोध्या में जुलूसे मोहम्मदी बड़े ही अदबो–एहतेराम के साथ मंगलवार को निकला। इस मौके पर एक दर्जन से अधिक नात पढ़ने वाली अंजुमनों ने शिरकत करते हुए माहौल को इश्के रसूल से रूबरू करा दिया। बता दे कि अरबी महीना के माहे रवि अव्वल की 12 तारीख को पैगंबरे–इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब का जन्मदिन पूरी दुनिया में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है।इसी क्रम अयोध्या अयोध्या मुस्लिम अंजुमन दरगाह कमेटी के अध्यक्ष काशिफ शेख चौधरी के द्वारा बताया गया कि ये पर्व अयोध्या नगर में कई वर्षों से एक दिन पूर्व यानी की इस्लामिक कैलेंडर के हिसाब से 11 रवि अव्वल को मनाया जाता है।अयोध्या में जुलूस–ए–मोहम्मदी बड़े ही शानो शौकत के साथ बक्सरिया टोला में स्थित हजरत शेख शमसुद्दीन फरियाद–रस रहमतुल्ला ताला अलेह के आस्ताने से निकलता है। जुलूस–ए–मोहम्मदी अयोध्या के बक्सरिया टोला स्थित शेख शमसुद्दीन फरियाद रस रहमतुल्लाह अलेह के आस्ताने से निकलकर ऋणमोचन चौराहा होते हुए अशर्फी भवन पहुंचा। इसके बाद जुलूस –ए– मोहम्मदी अशर्फी भवन होकर कटरा पुलिस चौकी, आलमगंज कटरा, दोराही कुआं, टेढ़ी बाजार कजियाना होते हुए रेलवे स्टेशन के पास स्थित हजरत जैनुलाब्दीन उर्फ बिजली शहीद बाबा की मजार पर जाकर समाप्त होता है।वहीं जब जुलूस अशर्फी भवन पहुंचा जहां पर सर्वधर्म सम्मान सेवा समिति के बैनर तले नातिया मुकाबला का आयोजन संपन्न हुआ एवं दर्जनों जगह विभिन्न समितियां द्वारा स्टेज लगाकर जुलूस का पुष्प वर्षा से इस्तकबाल एवं स्वागत किया गया।जिसमें नाते–मुशायरा पढ़े जाने वाले बच्चों को सम्मानित एवं उत्साह वर्धन किया गया। एक दर्जन से अधिक नात पढ़ने वाली अंजुमनों को सर्वधर्म सम्मान सेवा समिति के संरक्षक व वरिष्ठ समाज सेवी मोहम्मद इरफान उर्फ नंन्हे मियां ने इनाम देकर हौसला अफजाई की।इस मौके पर सर्व धर्म सम्मान समिति के इस मंच पर मोहम्मद इरफान अली (नन्हे मियां), इमरान अंसारी ,सुल्तान अंसारी(पार्षद) , काशिफ शेख चौधरी, महताब खान (पत्रकार), हाफिज मोहम्मद असलम, हाजी अच्छन खां, हाजी असद अहमद,हाजी सईद अहमद,हाजी महबूब, मो.जुनैद कादरी, मो.ओवैस कादरी,कलीम सिद्दीकी ,मोहम्मद शादाब शेख, मोहम्मद सिराज शेख, मोहम्मद शाहबाज शेख, सोहेल खान,महफूज वारसी, सिराज शेख,मो.आजम कादरी , जुनैद खान,रईस अंसारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सिटी कार्यालय के जीर्णोद्धार एंव उन्नयन कार्यालय का एसएसपी ने किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर ने मंगलवार को धारा रोड स्थित पुलिस अधीक्षक नगर कार्यालय के जीर्णोद्धार एवं उन्नयन कार्य का निरीक्षण किया। जीर्णोद्धार के बाद कार्यालय को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाओं के अनुरूप विकसित किया गया है।इस अवसर पर एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने पुलिस अधीक्षक नगर कार्यालय कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की।पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों का बेहतर एवं व्यवस्थित होना न केवल कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक होता है, बल्कि आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और पुलिसिंग व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इस दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी, पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक यातायात अयोध्या प्रसाद, सहायक पुलिस अधीक्षक देवेश चतुर्वेदी, क्षेत्राधिकारी नगर श्रीयश त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी सदरध्लाइन प्रतीक कुमार, क्षेत्राधिकारी अयोध्या आशुतोष तिवारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल युवा मंडल का 13वां मासिक रक्तदान शिविर आयोजित

प्रयागराज, (संवाददाता)। अग्रवाल युवा मंडल, प्रयागराज द्वारा मानव सेवा एवं जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा के उद्देश्य से चलाए जा रहे "हर माहदृरक्तदान अभियान" के अंतर्गत एएनएचए ब्लड बैंक में 13वें मासिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं समाज के विभिन्न सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। शिविर में राहुल अग्रवाल, संगठन मंत्रीय समर्थ मित्तल, सदस्य अग्रवाल युवा मंडलय लव अग्रवाल, अजय कपूर एवं अविनाश श्रीवास्तव सहित अनेक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं में इस सेवा कार्य को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के संयोजक सी.ए. सचिन अग्रवाल एवं श्रीमती पूजा अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य लोगों में नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत अभियान से जोड़ना है। कार्यक्रम में डॉ. निकुंज अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन जयंती 2026 के संयोजक सी.ए. विनय गोयल, श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज प्रयागराज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, हरिश्चंद्र अग्रवाल, आदेश गोयल, अंकित अग्रवाल, प्रमय मित्तल, अजय अग्रवाल, नवीन अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

'तेज बारिश में तीन वर्षीय मासूम नाली में बहा,हुई मौत'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर में सोमवार की शाम तेज बारिश के दौरान पानी के बहाव में बहकर तीन वर्षीय मासूम अंश की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा है। इकलौते बेटे की मौत से मां राधा और पिता रोहित बदहवास हैं। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मासूम अंश के माता–पिता बार–बार उस स्थान पर पहुंच जा रहे हैं, जहां उनका मासूम बेटा पानी के बहाव में बहकर नाले में जा फंसा था। परिजन उन्हें समझाकर घर ले आते हैं, लेकिन बेटे की याद आते ही वह फिर बिलख उठते हैं। ग्राम

दौलतपुर निवासी रोहित कुमार खेती–बाड़ी करते हैं। उनका करीब तीन वर्षीय पुत्र अंश सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश का पानी गांव से होकर नाली की ओर तेज बहाव से जाने लगा। खेलते समय पैर फिसलने से अंश पानी के बहाव में आ गया और घर से करीब 50 मीटर दूर नाली में जा फंसा। परिजनों और ग्रामीणों ने काफी देर तक मासूम की तलाश की। पहले आसपास और तालाब के पास उसे खोजा गया। करीब 25 मिनट बाद अंश सड़क की दूसरी ओर नाली में फंसा मिला। उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों के मुताबिक हादसे से पहले अंश अपने बाबा बड़े भैया के साथ अंबेडकर प्रतिमा के पास खेल रहा था। बाबा उसे घर छोड़कर आए थे। बारिश शुरू होने के बाद अंश फिर पड़ोस के बच्चों के साथ खेलने निकल गया। दादी बड़ी बिटिया उसे पकड़कर घर ले गईं, लेकिन कुछ देर बाद वह परिजनों की नजर बचाकर दोबारा बाहर आ गया और पड़ोस के मिस्त्री के पोते के साथ खेलने लगा। इसी दौरान हादसा हो गया। अंश माता–पिता की इकलौती संतान था। उसकी मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। बेटे को याद कर पिता रोहित भी बदहवास हैं, जबकि मां राधा की हालत देख हर किसी की आंखें नम हो रही हैं। घर में जहां मासूम की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी पर परिजनों ने मासूम के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया। मंगलवार को परिजनों ने गमगीन माहौल में बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया।

रक्षाबंधन पर 27 अगस्त सुबह छः बजे से 29 अगस्त की मध्य रात्रि तक बहनें अपने सहयोगी के साथ कर सकेगी रोडवेज से मुफ्त यात्रा - एआरएम रोडवेज

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहनों को बड़ी सौगात दी है।यूपी रोडवेज की बसों बहनों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।इसी कडी मे अयोध्या मे भी रक्षाबंधन पर महिलाए अपनी सहयोगी के साथ रोडवेज बसों से मुफ्त यात्रा 27 अगस्त सुबह 6 बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि तक कर सकेगी।यह जानकारी एआरएम रोडवेज अयोध्या धरणेंद्र कुमार चौबे ने दी।बताया कि रक्षाबंधन पर मायके जाने वाली बहनों को मुफ्त सफर का लाभ मिलेगा।बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निःशुल्क यात्रा की अवधि बढ़ाई है। पहले यह सुविधा 28 अगस्त की रात तक थी।जो बढाकर 29 अगस्त की मध्य रात्रि कर दी गई है।योगी सरकार के इस फैसले से त्योहार के दौरान बहनों को बड़ी राहत मिलेगी।बताया कि रोडवेज बसों में महिलाओं की यात्रा को सुगम और सुविधाजनक बनाने की तैयारी है।रक्षाबंधन के मौके पर योगी सरकार की यह सौगात बहनों के लिए खास तोहफा है।

सघन टिकट चेकिंग अभियान में पकड़े गए 48,481 रेलयात्री

प्रयागराज, (संवाददाता)। अगर आप भी ट्रेनों में बिना टिकट या जनरल टिकट लेकर आरक्षित बोगियों में सफर करने की सोच रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज रेल मंडल ने नियमों की अनदेखी करने वालों पर शिकंजा कसा है। रेलवे ने 1 से 20 अगस्त तक चलाए गए सघन टिकट चेकिंग अभियान में 48,481 मुसाफिरों को पकड़कर 4,51,36,868 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। महज 20 दिनों (480 घंटों) के भीतर रेलवे के खजाने में रोजाना औसतन 22.56 लाख रुपये जुर्माने से आए। प्रति घंटे के हिसाब से करीब 94,035 रुपये और प्रति मिनट लगभग 1,567 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस दौरान प्रतिदिन औसतन 2,424 और हर घंटे करीब 101 यात्री पकड़े गए।

एनएसडीए मोटेसरी स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' विकास क्षेत्र भरखनी के अंतर्गत साड़ी खेड़ा स्थित एनएसडीए मोंटेसरी स्कूल में अध्ययनरत नर्सरी से हाईस्कूल तक के छात्रध्छात्राओं के बीच राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और त्यौहार का माहौल नजर आया। इस प्रतियोगिता में नन्हें मुन्ने बच्चों ने रंग –बिरंगे धागों,मोतियों,रिबन और कागज का उपयोग करके बेहद आकर्षक और सुंदर राखियां बनाई। बच्चों ने एक से बढ़कर एक डिजाइन में राखियां बनाकर अपनी कल्पना और कला का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। राखियां बनाने में मुख्य रूप से रेशमी धागे,ऊन, मोती,चमकीले स्टीकर और बेस्ट मैटेरियल का प्रयोग किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल जून अन्न डेविड के दिशा निर्देशन में आये दिन नये–नये प्रोग्राम होने से बच्चों में आत्मविश्वास जगा है साथ ही स्कूल में शैक्षिक वातावरण का माहौल उच्च स्तर पर पहुँच चुका है, जिससे स्कूल की साख क्षेत्र में लगातार बढ़ रही है। प्रिंसिपल ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पारंपरिक त्यौहारों के प्रति प्रेम और रचनात्मक कौशल को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि राखी भाई बहन के बीच प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और भाइयों को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद प्रदान किया,वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। शिक्षकों एवं अविभावकों ने बच्चों के सुंदर प्रयासों की खुलकर तारीफ की। कालेज के प्रबंधक डॉ ए0बी0 सिंह ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पटरी पर ही पड़े रहो रुपये के विवाद में भागे दो युवक आए ट्रेन की चपेट में– एक का पंजा कटा

गोरखपुर, (संवाददाता)। सूरजकुंड फ्लाईओवर के नीचे शनिवार शाम रुपये के लेन–देन को लेकर हुए विवाद के बाद रेलवे ट्रैक की ओर भागे दो युवक ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गए। गोलू (18) के बाएं पैर का पंजा कट गया, जबकि अयाश (18) के सिर और सीने में गंभीर चोट आई है। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जीआरपी ने तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फ्लाईओवर के नीचे पीपल के पेड़ के पास नदीम, शमशाद अंसारी, अकबर, अयाश और गोलू के बीच रुपये के

लेन–देन को लेकर विवाद हुआ था। मामला बढ़ने पर अयाश और गोलू रेलवे लाइन की ओर भागने लगे। शाम करीब छह बजे दोनों ट्रैक पर पहुंचे, तभी ट्रेन आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से अयाश दूर जा गिरा, जबकि गोलू पटरी के बीच गिर गया। ट्रेन के पहिए की चपेट में आने से उसका बायां पंजा कट गया। अयाश ने घायल होने के बावजूद गोलू को ट्रेन गुजरने तक पटरी पर ही पड़े रहने के लिए चिल्लाकर कहा। इससे उसकी जान बच गई। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर जीआरपी और तिवारीपुर पुलिस पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं, हिरासत में लिए गए तीन युवकों में एक के चेहरे पर चोट के निशान भी मिले हैं। जीआरपी इंस्पेक्टर अनुज कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पांच युवकों के नशे में होने और रुपये के लेन–देन को लेकर विवाद की बात सामने आई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।